उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान बिलासपुर (छ.ग)

बी. एड. द्वितीय वर्ष

पंचम प्रश्न पत्र

विद्यालय, संस्कृति, प्रबन्ध एवं शिक्षक

(SCHOOL CULTURE, MANEGEMENT AND TEACHER)

UNIT-5

शिक्षक की जवाबदेही एवं व्यावसायिक नैतिकता

(Teacher's accountability and Professional ethics)

व्यावसायिक नैतिकता

Dr. Ajita Mishra
Assistant Professor

व्यावसायिक नैतिकता
Professional Ethics

- **अध्ययन का उद्देश्यः–**
- 1. शिक्षकों को अपने उत्तरदायित्व के प्रति जागरुक करना।
- 2. अपने व्यवसाय के प्रति न्याय कर सकेंगे तथा उन्हें अपने व्यवसायव कार्य के प्रति निष्ठावान बनाने में सहायक होगा।
- 3. प्रशिक्षार्थियों अथवा शिक्षकों को अपने कार्य के महत्व कोसमझाने में सहायक होगा।
- 4. प्रत्येक छात्र की क्षमता में भिन्नता पाई जाती है, जो आगे नहीं बढ़ पाते उन्हें भी साथ लेकर चलना तथा उनके विकास के लिए समान अवसर प्रदान करना।
- 5. अपने दायित्व का निर्वहन व कार्य संपादन सही तरीके से कर सकेंगे।
- 6. शिक्षक मानव कल्याण में प्रभावी योगदान देने में समर्थ हो सकेंगे।

प्रस्तावना

किसी भी व्यवसाय तथा वृत्ति की प्रतिष्ठा, गौरव तथा मान–सम्मान बहुत सीमा तक इस बात पर निर्भर रहता है कि उस व्यवसाय में कार्यरत व्यक्ति व्यवसाय के उत्तरदायित्वों के प्रति कितने जागरुक हैं तथा अपने कर्त्तव्यों के पालन में कितनी निष्ठा रखते हैं।

कोई भी व्यक्ति विषय के ज्ञान के अभाव में शिक्षक नहीं हो सकता है। अर्थात् जिस विषय का शिक्षण शिक्षक द्वारा किया जाता है उसका उसे पूर्ण ज्ञान हो। अध्यापक को अपने व्यवसाय के महत्व को समझना चाहिए। शिक्षक को राष्ट्र निर्माता कहा जाता है। यदि वह इस व्यवसाय के प्रति अन्याय तथा विश्वासघात कर सकता है। अपने कार्य के प्रति निष्ठा व पूर्ण समर्पण के बिना वह उन विद्यार्थियों की एक अच्छी नस्ल तैयार नहीं कर सकता जो कि समाज के भावी कर्णधार हैं व जन कल्याण के लिए अपना योगदान दे सकने में समर्थ हो सकते हैं।

कुछ विद्वानों का अभिमत
View of Some Experts

- रेमॉण्ट **(Raymont)** का मतः– अध्यापक को उन सभी बातों का त्याग करना चाहिए जो तुच्छ एवं हीन हो क्योंकि उसी पर समस्त छात्रों की दृष्टि लगी रहती है। शिक्षक स्वयं को अपने छात्रों पर अपना प्रभाव डालने से नहीं बचा सकता, इसलिए यह आवश्यक है कि वह सदैव उच्च आदर्शों एवं विचारों को मन, वचन तथा कर्म से व्यवहार में लाये जिनका बालकों पर सर्वोततम प्रभाव पड़ सके।

कुछ विद्वानों का अभिमत
View of Some Experts

- मार्क पैटिसन का कथनः– एक अच्छे शिक्षक का प्रथम गुण यह है कि वह एक अध्यापक हो और कुछ नहीं, और उसको एक शिक्षक के रूप में प्रशिक्षित किया जाय।
- के. जी. सैयदैन का कथनः– आप एक बर्तन तब तक उड़ेलकर नहीं निकाल सकते, जब तक कि आपने उसमें वह वस्तु रख न दी हो। यदि शिक्षक ज्ञान एवं बुद्धि की दृष्टि से हीन एवं खोखला है, तो वह अपने बालकों के मस्तिष्क को प्रखर या उनकी भावनाओं को मानवीय रूप प्रदान नहीं कर सकता। यदि वह स्वयं प्रदीप्त दीप नहीं है तो वह दूसरों में ज्ञान के प्रकाश को प्रसारित करने में सदैव असमर्थ रहेगा।

शिक्षक के गुण

1. इमानदारी– नैतिक मूल्यों के प्रति संजगता अर्थात् मजबूत नैतिक मूल्य।
2. निष्पक्षता या भेदभाव रहित व्यवहार
3. कर्मठ व जुझारु– पूर्ण समर्पण के साथ कार्य संपादन करना।
4. सम्मान की भावना– दूसरों की भावनाओं की कद्र करना या उनके प्रति सम्मान की भावना रखना।
5. धैर्य या धीरज– समस्या का सामना करना की ओर सकारात्मक प्रतिफल मिलने तक धैर्य धारण की क्षमता।
6. जिम्मेदार व उत्तरदायित्व पूर्णः– कार्य के प्रति जवाबदेही एवं उत्तरदायित्व की भावना होनी चाहिए।
7. उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन शक्ति
8. आशावादी एवं उत्साहपूर्ण

शिक्षक के गुण

9. संवेगात्मक सन्तुलन
10. उच्च चरित्र एवं दृढ़संकल्प
11. नेतृत्व की क्षमता
12. उत्तम निर्णय शक्ति
13. सामाजिक चातुर्य
14. परिस्थितियों का सामना करने का साहस
15. अपनी कमियों को स्वीकार करने की तत्परता
16. मिल–जुलकर कार्य करने की क्षमता
17. मित्रतापूर्ण व्यवहार एवं सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार

Qualities That Must Be Demonstrated By Teachers

- **Integrity: Being honest and having strong moral principles.**
- **Impartiality: Equal treatment of all People.**
- **Perseverance: Not giving up before completing a particular task.**
- **Respect: Due regard for feelings of others**
- **Patience: The ability to tolerate problems and delay in positive out come.**
- **Responsibility: Being accountable for a duty.**

कार्य के प्रति निष्ठा

1. हमेशा सावधानी व सुरक्षा पर ध्यान केन्द्रण
2. तानाशाह, बेइमानी व आक्रामक व्यवहार से दूर रहना।
3. अपनी योग्यता व कार्य से संबंधित प्रपत्रों की सही जानकारी देनी चाहिए।
4. विद्यालयीन नियमों का उचित अनुपालन एवं वित्तीय प्रबंधन की जवाबदेही।
5. पाठ योजना, शिक्षण योजना, समय सारणी व शाला कैलेण्डर का निर्माण।
6. शिक्षण प्रक्रिया का नियोजन, संगठन, पर्यवेक्षण, निर्देशन, समन्वयन और नियन्त्रण अध्यापक के महत्वपूर्ण कार्य है इसके प्रति निष्ठावान होना चाहिए।
7. शिक्षक को अपने कर्त्तव्यों, जिम्मेदारियों, कार्यों और अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए।
8. विषय पर दक्षता व उचित पकड़ तथा स्वामित्व होने से शिक्षण प्रभावशाली व बोधगम्य बनाने में सहायता मिलती है।
9. कमजोर छात्रों के लिए उपचारात्मक शिक्षण की व्यवस्था करनी चाहिए।

Commitment for the Job

- Always promote safety, security and acceptance.
- Avoid bullying, dishonesty and offensive conduct.
- Describe your qualifications, credentials and licenses to the school board.
- Obey school policies and account for all funds and resources at your disposal.
- Design lesson plans and create a well-rounded education plan.

अध्ययनशील

1. नवीन शिक्षण विधियों की खोज करना।
2. विविध कक्षा में सहभागिता
3. नवीन कौशल विकास के लिए शैक्षिक गतिविधियाँ या पाठ्य सहगामी क्रियाकलाप।
4. नवीन, ताजगीपूर्ण व प्रासंगिक शिक्षण विधियों व तरीकों को अपनाना।
5. प्रयोग, अन्वेषण या अनुसंधान कार्य से जुड़े रहना एवं शिक्षा के विकास के लिए निरन्तर प्रयासरत रहना।
6. क्रियात्मक अनुसंधान की सहायता से समस्या का समाधान करने का प्रयास करना।
7. न केवल जानना कि क्या पढ़ाना है बल्कि किस विषय बिन्दुओं को किस प्रकार पढ़ाना है तथा किसको पढ़ाना है तथा किसको पढ़ाना है ये जानना भी आवश्यक है।
8. शिक्षक विषय ज्ञान प्रदान करने के अलावे खेलकूद, स्काउटिंग, नाटक, वाद–विवाद, भ्रमण, रेडक्रास, छात्र संघ, संगीत क्लब, प्रशानमंच, आदि की जानाकीरी व भाग लेने की तत्परता होनी चाहिए।
9. शिक्षक का प्रशिक्षित होना या अपने व्यावसायिक ज्ञान को नवीन बनाये रखने के लिए सेमिनारों, संगोष्ठी, विचार सम्मेलनों व अभिनव कोर्स में भाग लेते रहना आवश्यक गुण है।

Keep Learning

- Keep researching about new teaching techniques.
- Attend classes in order to maintain your certificates.
- Participate in curriculum activities to learn new skills.
- Keep your teaching methods fresh, relevant and comprehensive.
- Engage in educational research to continuously improve the teaching strategies.

सहकर्मियों व विद्यार्थियों के साथ स्वस्थ संबंध

- शिक्षक का विद्यार्थियों,, अपने सहकर्मियों, कार्यालयीन सदस्य,,समुदाय, परामर्श दाताओं और प्रशासक के साथ संबंध अच्छे होने चाहिए।
- ज्ब तक कानूनी आवश्यकता न हो तब तक अपने सहकर्मियों की व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। सहकर्मियों के बारे में ओछी बातें व निन्दा न करें।
- सीखने के लिए उपयुक्त विद्यालयीन वातावरण के निर्माण के लिए सहकर्मी शिक्षक, अभिभावक एवं प्रशासक के साथ सहयोगात्मक रवैया रखें ।
- सकारात्मक व्यवहारएवं समूह भावना का विकास करना।
- जति–पाति के भेदभाव से रहित सभी छात्रों से एक जैसा व्यवहार।

Healthy Relations with Colleagues and Students

- Teachers must build strong relation ships with parents, school staff, colleagues in the community, counselors and administrators.
- Never discuss private information about colleagues unless disclosure is required by law.
- Avoid gossip including false or mean comments about. Co-workers.
- Cooperate with fellow teachers parents and administrators to create an atmosphere that's good for learning.
- Have a positive attitude and team centered mindset towards students.

व्यावसायिक नैतिकता के सुधारात्मक तत्व

1. शिक्षण अधिगम प्रभावशाली बनाना।
2. नियमित विद्यालय आना
3. प्रतिदिन की कक्षा शिक्षण प्रक्रिया की पूर्ण तैयारी करके आना।
4. गृहकार्य की जाँच का कार्य करना
5. परीक्षा प्रश्न पत्र की पूर्ण गोपनीयता व उत्तर पुस्तिकाओं की पूर्ण जाँच करना।

6 प्राइवेट ट्यूशन के लिए मजबूर न करना।

7. विद्यार्थियों के सामने अन्य कर्मचारी की निंदा न करें।

व्यावसायिक नैतिकता के सुधारात्मक तत्व

8.छात्रों को निजी स्वार्थवश पुस्तकें खरीदने हेतु बाध्य न करें।

9. प्रकाशकों से केवल व्यावसायिक संबंध ही रखें।

10. छात्रों को अपने निजी कार्य के लिए बाध्य न करना।

11. छात्रों के सम्मुख या विद्यालय में किसी नशीली चीज या तम्बाकू आदि का सेवन न करना।

12. अध्यापक संगठनों की सकारात्मक गतिविधियों में रुचि रखें।

13. शिक्षक को स्वयं को जानना चाहिए।

निष्कर्ष

आज विश्व की कोई भी शिक्षा प्रणाली ऐसी नहीं है जो विद्यालयों के लिए प्रशिक्षित अध्यापकों की आवश्यकता का अनुभव न करती हो। यद्यपि बहुत से गुणों को शिक्षक प्रकृति से प्राप्त करता है। कहा जाता है कि अच्छे शिक्षक पैदा होते हैं, बनाये नहीं जाते। परन्तु प्रशिक्षण एवं अनुभव का भी उनके निर्माण में बहुत महत्व होता है।

एक अध्यापक को कक्षा–कक्ष प्रबन्धन में विविध भूमिकाएं निभानी होती हैं। अपने विषय पर दक्षता, पढ़ाने की उत्तम मनोवैज्ञानिक विधियाँ तथा अध्यापक का समर्पण व आचार संहिता का अनुपालन, कक्षा में श्रेष्ठता लाता है।

निष्कर्ष

आदर्श शिक्षक को मनुष्यों का निर्माता राष्ट्र निर्माता, शिक्षा पद्धति की आधारशिला समाज को गति प्रदान करने वाला,, मार्गदर्शक व पथ प्रदर्शक कहा जाता है।

मार्गदर्शक व शिक्षक पहले स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करें, यही समय की माँग है इसके लिए आचार संहिता बनाकर उसका अनुपालन करना महत्वपूर्ण है। सामाजिक उत्थान व मानव कल्याण के लिए यह परम आवश्यक है।

THANK YOU